न्यूज डायरी

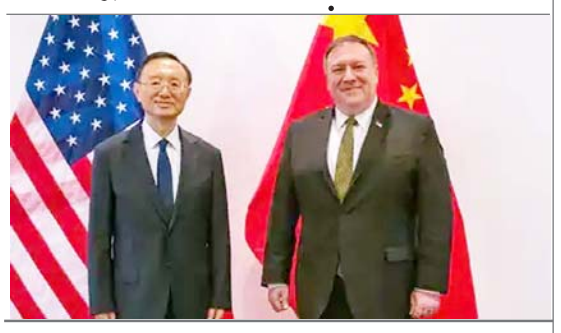

अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारतीय सैनिकों की मौत पर जताया दुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने गलवान घाटी में चीनी हमले में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी हम शहीद सैनिकों के परिवार वालों के साथ खड़े हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री का बयान ऐसे समय पर जब उन्होंने चीन के शीर्ष वार्ताकार यांग जियाची के साथ कई घंटे तक बैठक की है। यह वही यांग जियाची हैं जो चीन की ओर से भारत के साथ सीमा विवाद पर मुख्य वार्ताकार हैं। माइक पोम्पियो ने कहा, चीन के साथ संघर्ष में सैनिकों के मारे जाने पर हम भारत के लोगों के प्रति गहरा दुख व्यक्त करते हैं। दुख की इस घड़ी में हम सैनिकों के परिवारों, उनके करीबियों और समुदायों को याद रखेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री और चीनी वार्ताकार के बीच भारत का मुद्दा उठा या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि चीनी दूत से मुलाकात के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री का यह बयान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीर बाबा बने पाकिस्तान के विदेश मंत्री, महिलाओं को लूटा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
मुल्तान। भारत के खिलाफ अक्सर गीदड़भभकी देने वाले पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरेशी अब पीर बाबा बन गए हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्री पिछले दिनों इस हद तक गिर गए कि उन्होंने मुल्तान में अपने घर पर महिलाओं के बाल काटे और इसके बदले में उनसे सोना और चांदी लिया। पाकिस्तानी विदेश मंत्री के महिलाओं के बाल काटने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर शेयर किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में पाकिस्तानी विदेशी ने महिलाओं और लड़कियों के बाल काटे। वीडियो में साफ दिख रहा है कि महिलाओं ने कुरैशी के प्रति निष्ठा दिखाने के लिए मजबूरन बाल कटवाए। यही नहीं बदले में महिलाओं को कुरैशी को पैसा और सोना देना पड़ा। धर्म के नाम पर महिलाओं को लूटना पूरे पाकिस्तान में चर्चा का विषय बन गया है। पाकिस्त्तानी विदेश मंत्री के पीर बाबा के ढोंग रचने की तीखी आलोचना हो रही है।

न्यूजीलैंड में 7.4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में गुरुवार शाम को आए तीव्र भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। पैसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने चेतावनी देते हुए बताया कि फिजी, केरमेडेक द्वीप समूह, न्यू कैलेडोनिया, न्यूजीलैंड, नीयू, टोंगा और वानुअतु में भूकंप के कारण सुनामी की लहरें आ सकती हैं। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.4 मापी गई है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप का केंद्र न्यूजीलैंड के नॉर्थ आइलैंड के एक शहर ओपोटिकी से 685 किमी उत्तर–पूर्व में है। भूकंप के तुरंत बाद सभी केंद्रों ने सुनामी की चेतावनी जारी करते हुए देशों से अनुरोध किया है कि वे समुद्र के किनारे बसे हुए लोगों को सूचित कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दें। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, समुद्र में .3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। इन लहरों के जमीन पर टकराने के दौरान और शक्तिशाली होने की संभावना है।

हॉन्ग कॉन्ग के विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा विधेयक को चीन ने दी मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के विधान मंडल ने हॉन्ग कॉन्ग के लिये विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा विधेयक के मसौदे को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। इस विधेयक को अर्ध–स्वायत्त हॉन्ग कॉन्ग के कानूनी और राजनीतिक संस्थानों को कमजोर करने वाला बताकर इसकी कड़ी आलोचना की गई थी। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले चार प्रकार के अपराधों से संबंधित इस विधेयक की समीक्षा के बाद इसे मंजूरी दे दी। हालांकि मसौदे में इन अपराधों और इनके तहत मिलने वाली सजा के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। इस कानून में मुकदमे का सामना करने के लिए आरोपियों को सीमा पार कर चीनी मुख्य भूभाग नहीं भेजा जाएगा।

चीनी मिसाइल से कम नहीं है ग्लोबल टाइम्स

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छेड़ा प्रोपेगेंडा वॉर

प्रोपेगेंडा वार

■ग्लोबल टाइम्स के जरिए दुष्प्रचार करती है चीनी सरकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख के गलवान घाटी में चीन के सैनिकों ने 20 भारतीय सैनिकों की घात लगाकर निर्मम तरीके से हत्ध्या कर दी। यही नहीं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निर्देश पर पीएलए के हजारों सैनिक भारतीय जमीन पर कब्जा करने की ताक में खड़े हैं। चीन ने जमीन ही नहीं सोशल मीडिया में भी जंग छेड़ रखा है। इसके लिए चीन ने अपनी मिसाइल ग्लोबल टाइम्स को मोर्चे पर लगा दिया है।

ग्लोबल टाइम्स ने पिछले एक महीने में सैकड़ों ट्वीट करके न केवल भारत के खिलाफ बल्कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ताइवान के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ रखा है। दरअसल, चीन की बिना गोली चलाए ही युद्ध को जीतने की रणनीति रही है। इस रणनीति को अमल में लाने का काम चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स को दिया गया है। लद्दाख में तनाव के बाद चीन की प्रोपेगेंडा मशीन ग्लोबल ने भारत के खिलाफ एक तरीके से मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ दिया है।

भारत–चीन तनाव शुरू होने के बाद पिछले एक महीने में ग्लोबल टाइम्स ने दर्जनों की संख्या में ऐसी खबरें लिखी हैं और वीडियो जारी किए हैं जिससे चीन की ताकत को बढ़ा चढ़ाकर पेश किया जाए और भारत को कमजोर साबित किया जाए। ग्लोबल टाइम्स पहले चीन सरकार के दावे को विशेषज्ञ के हवाले से कहता है और फिर सरकार भी उसको दोहराती है। एक तरीके से चीन सरकार अप्रत्यक्ष तरीके से अपने दावे को ग्लोबल टाइम्स के माध्यम से प्लांट कराती है और फिर खुद उसका समर्थन करती है।

इस उदाहरण गलवान घाटी है। सीमा विवाद शुरू होने के बाद ग्लोबल टाइम्स ने सबसे पहले दावा किया कि भारत के नियंत्रण वाली गलवान वैली चीन की है। गलवान घाटी चीन का इलाका है और भारत जानबूझकर वहां विवाद पैदा कर रहा है। भारत गलवान में चीन के इलाके में अवैध तरीके से डिफेंस फैसिलिटीज का निर्माण कर रहा है। इस कारण चीन की सेना के पास इसका जवाब देने के अलावा कोई चारा नहीं है। इसके बाद से चीन सरकार अब लगातार दावा कर रही है कि यह इलाका उसका है। इसी गलवान वैली में भारत और चीन के बीच सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी जिसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए।

भारतीयों को डराने के लिए प्रोपेगेंडा वीडियो: ग्लोबल टाइम्स लगातार चीन की सेना के युद्धाभ्यास के वीडियो पोस्ट कर रहा है। उसका दावा किया है कि ये वीडियो तिब्बत में भारतीय सीमा के पास किए गए हैं। चीनी अखबार यह भी दावा किया है कि चीनी सेना ने अत्याधुनिक हथियार तैनात किए हैं कि उसका जवाब किसी देश के पास नहीं है। उसका दावा है कि ये हथियार पहाड़ों में जंग लड़ने के लिए बेहद कारगर हैं।

नेपाली सेना ने भारतीय सीमा पर बनाई चौकियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। भारत के कड़े विरोध के बावजूद नेपाल की राष्ट्रपति ने देश के नए नक्शे को अपनाने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है। अब यह नेपाली संविधान का हिस्सा बन गया है। इससे पहले नेपाल के ऊपरी सदन ने विधेयक को पास कर दिया था। नक्शे में भारत के तीन महत्वपूर्ण इलाकों को नेपाल ने अपना बताया है। भारत ने कहा था कि यह नया नक्शा ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर सही नहीं है।

उधर, संसद से नए नक्शे को मंजूरी मिलने के बाद नेपाल ने कालापानी के पास चांगरू में अपनी सीमा चौकी (बीओपी) को उन्नत किस्म का बना दिया है। अब ये चौकियां स्थायी हो गई हैं और यहां सशस्त्र पुलिसकर्मी तैनात होंगे। इससे पहले चांगरू सीमा चौकी पर लाठी रखने वाले पुलिसकर्मी तैनात रहते थे। यह चौकी हर साल नवंबर से मार्च तक सर्दियों के मौसम में बंद रहती है। नेपाली सेना प्रमुख पूर्णचंद्र थापा ने बुधवार को ही इस चौकी का निरीक्षण किया था। धारचूला के उप जिलाधिकारी ए के शुक्ला ने कहा कि अब यह चौकी ज्यादा सर्दी के बावजूद ठंड के मौसम में बंद नहीं होगी। सीमा चौकी को नया बनाने और सेना प्रमुख के दौरे को अहम माना जा रहा है। हिंसक झड़प के बाद नेपाल से जुड़ी भारत की सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति को फेसबुक ने दिया झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। फेसबुक ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को करारा झटका दिया है। फेसबुक ने ट्रंप और अमेरिका के उप राष्ट्रपति माइक पेंस के उन प्रचार विज्ञापनों को हटा दिया है, जिनमें लाल रंग के उल्टे त्रिकोण को इस्तेमाल किया गया था। इस संकेत का इस्तेमाल नाजियों ने राजनीतिक कैदियों, साम्यवादियों और हिरासत केंद्रों में बंद अन्य लोगों के लिए किया था। कंपनी की सुरक्षा नीति प्रमुख नैथेनियल ग्लीचर ने गुरुवार को प्रतिनिधि सभा की खुफिया समिति के समक्ष विज्ञापन हटाए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि फेसबुक घृणा फैलानी वाली विचारधारा से जुड़े किसी भी संकेत को दिखाने की अनुमति तब तक नहीं देता, 'जब तक कि वह किसी संदर्भ के साथ या निंदा करने के लिए इस्तेमाल न किया जाए।

कोरोना के कारण भटका दुनिया का ध्यान फायदा उठाने की ताक में है चीनः अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा कि भारतीय सीमा समेत कई मोर्चों पर चीन की हरकतों से ऐसा लगता है कि पेइचिंग एक नापाक साजिश कर रहा है। साथ ही चीन का यह मानना है कि वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण विश्व का ध्यान भटका है और वह उसका फायदा उठा सकता है। अमेरिका के पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के लिए सहायक विदेश मंत्री डेविड स्टिलवेल ने ताजा तनाव पर यह बात कही।

अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री स्टिलवेल ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन चीन की हरकतों से लग रहा है कि वह नापाक साजिश रच रहा भारत–चीन की स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। स्टिलवेल ने कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए पत्रकारों से कहा कि चीन की भारत में हालिया कार्रवाई उसकी डोकलाम सहित भारतीय सीमा पर पहले की गई गतिविधियों की तरह ही है।

स्टिलवेल ने कहा, 'कई मोर्चों पर चीन द्वारा ऐसा करने के पीछे वजह यह हो सकती है कि पेइचिंग को ऐसा लगता है कि अभी दुनिया का ध्यान भटका हुआ है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से उबर रही दुनिया का पूरा ध्यान लोगों की जान बचाने पर है, इस मौके को चीन ने फायदा उठाने के एक अवसर के तौर पर देखा होगा।'

भारत–चीन सीमा विवाद पर करीबी नजरः चीन के भारत सहित अपने पड़ोसी देशों के साथ आक्रामक रवैया अपनाने पर किए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं इस पर सरकार का आधिकारिक रुख स्पष्ट नहीं कर रहा हूं लेकिन सार्वजनिक तौर पर उसके ऐसा करने के कई स्पष्टीकरण मौजूद हैं।' स्टिलवेल ने कहा, 'हम जाहिर तौर पर भारत–चीन सीमा विवाद पर करीबी नजर रख रहे हैं।' द्विपक्षीय संबंधों और कोरोना वायरस महामारी पर विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और शीर्ष चीनी राजनयिक यांग जिएची के बीच हवाई में बैठक के बाद कॉन्फ्रेंस कॉल में उन्होंने यह बयान दिया।

अमेरिका में कोविड–19 से मरने वालों की संख्या में आई कमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बाल्टीमोर (अमेरिका)। अमेरिका के राज्यों में व्यापारिक गतिविधियां तेजी से बहाल किए जाने के बावजूद कोरोनो वायरस से प्रतिदिन होने वाली मौतों की संख्या में हालिया हफ्तों में गिरावट आई है, लेकिन वैज्ञानिकों को इस बात डर है कि यह स्थिति पलट सकती है।वैश्विक महामारी के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठन 'रिजॉल्व टू सेव लाइव्स' के डॉ. सायरस शैहपर ने कहा '' अभी यह कहना बहुत जल्दबाजी होगी कि मरने वालों की संख्या कम हो रही है और सब कुछ ठीक है।''जॉन्स हॉपकिन्स' विश्वविद्यालय के आकड़ों के 'एपी' द्वारा किए आकलन के अनुसार देशभर में कोविड–19 से प्रतिदिन होने वाली मौत की संख्या गिरकर करीब 680 रह गई है जो कि दो सप्ताह पहले 960 थी। संक्रमण को रोकने और लोगों को बचाने के लिए अस्पतालों एवं नर्सिंग होम में प्रभावी उपचार और बेहतर प्रयासों सहित कई कारणों से यह गिरावट आई है। 'एपी' के आकलन में पाया गया कि प्रतिदिन सामने आने वाले नए मामले की संख्या बढ़ी है, जो दो सप्ताह पहले 21,400 थी और अब 23,200 हो गई है।